डॉ. पी. डी. वाघेला
सचिव
Dr. P. D. Vaghela
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग
Government of India
Ministry of Chemicals & Fertilizers
Department of Pharmaceuticals

संदेश

हिन्दी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा बनाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। तभी से हम हर वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते चले आ रहे हैं। हमारे संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के तहत 'संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी' है। भारत सरकार ने सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का उत्तरोत्तर प्रगामी प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए अधिनियम और नियम बनाए हैं और समय-समय पर इसके कार्यान्वयन के लिए आदेश व अनुदेश भी जारी किए हैं।

हिंदी में सदियों से निरंतर उत्कृष्ट साहित्य सृजन होता रहा है और भविष्य में भी होता रहेगा लेकिन आज के वैज्ञानिक और प्रौदयोगिकी युग का तकाजा है कि हम हिंदी को विज्ञान और प्रौदयोगिकी की दृष्टि से भी समृद्ध बनाएं। यह तभी संभव हो सकता है जब हम सब इस ओर भरसक प्रयास करेंगे। जहां तक औषध विभाग का संबंध है, इसमें राजभाषा हिंदी का प्रयोग तो हो रहा है परंतु राजभाषा विभाग द्वारा हर वर्ष निर्धारित किए जाने वाले लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हमारा विभाग औषध निर्माण क्षेत्र से जुड़ा होने के नाते तकनीकी विभागों की श्रेणी में आता है। अत: मैं अपने विभाग के सभी औषधविदों तथा वैज्ञानिकों के साथ-साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह करता हूं कि वे हिंदी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दृष्टि से समृद्ध बनाने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें।

आइए, इस शुभ अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम अपना सरकारी कार्य स्व-प्रेरणा से अधिकाधिक हिंदी में करेंगे।

जयहिन्द

(डा. पी.डी.वाघेला)

शास्त्री भवन, डॉ राजेन्द्र प्रसाद रोड़, नई दिल्ली - 110 001
Dr. Rajendera Prasad Road, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
Tel : 23381573 / Fax : 23070245 E-mail : secy-pharma@nic.in